Diary no. 14/18/111

Additional Information
Unstarred Assembly Question No. 86

Remodelling of Gurugram Water Supply Channel (GWS) from RD 0 KM to 69.585 KM

Existing GWS Channel was constructed and commissioned in the year 1995 to supply raw water to Gurugram, Bahadurgarh and enroute Village Water Supply schemes. Due to continuous running, the channel is in dilapidated condition and its carrying capacity has reduced to 60% of designed capacity. Further, due to expansion of Gurugram and development of new residential and industrial areas, demand has increased manifold. In order to cater with future demand of Gurugam, Bahadurgarh and other areas, it is proposed to reconstruct existing GWS Channel as a closed carrier system i.e. as a combination of closed RCC barrel and pipeline to curb theft of water by farmers and to avoid any possibility of contamination in it. As per future demand received from different departments upto year 2050, capacity of GWS Channel has been increased from 175 cusecs to 686.40 cusecs. Detailed Project Report for this project has been prepared by the consultant /WAPCOS and submitted to Department on 17.11.2023. The same is under approval/appraisal of the Department. Tentative Cost of this Project is Rs. 1989.40 Crores.

Mewat Feeder Pipeline Project along KMP Expressway off-taking from GWS Channel at RD 50.500 KM near Badli (Jhajjar)

Mewat region of Haryana falling in District Nuh and Gurugram has brackish water which is totally unfit for drinking. To solve drinking water problem of this area, PHED has planned new schemes for which Irrigation & Water Resources Department, Haryana would provide raw water. In addition to it, HSVP and HSIIDC are also developing sectors in this area. Raw water would be provided to these sectors also. For arranging water to cater with demands of PHED, HSIIDC and HSVP, new carrier system namely Mewat Feeder canal has been proposed as a pipeline system. As per future demand received from different departments upto year 2050, capacity of MFC has been approved for 389.58 Cs. Detailed Project Report for this project has been prepared by the consultant /WAPCOS and submitted to Department on 01.01.2024. The same is under approval/appraisal of the Department.Tentative Cost of Work: Rs. 1161.05 Crores.

अतिरिक्त सूचना
विधानसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 86

गुरुग्राम जल आपूर्ति चैनल (जीडब्ल्यूएस) की बुर्जी संख्या 0 किलोमीटर से 69.585 किलोमीटर तक पुनर्निर्माण

वर्ष 1995 में मौजूदा जीडब्ल्यूएस चैनल का निर्माण पानी की आपूर्ति हेतु गुरुग्राम, बहादुरगढ़ और ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के लिए चालू किया गया था। लगातार चलने के कारण चैनल जीर्ण–शीर्ण स्थिति में है और इसकी वहन क्षमता डिजाइन क्षमता से 60 प्रतिशत तक कम हो गई है। इसके अलावा, गुरुग्राम के विस्तार और नए आवासीय और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के कारण मांग कई गुना बढ़ गई है। गुरुगाम, बहादुरगढ़ और अन्य क्षेत्रों की भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए किसानों द्वारा पानी की चोरी को रोकने और किसी भी संभावना से बचने के लिए, जीडब्ल्यूएस चैनल को एक बंद वाहक प्रणाली यानी बंद आरसीसी बैरल और पाइपलाइन के संयोजन के रूप में पुनर्निर्माण करने का प्रस्ताव है। वर्ष 2050 तक विभिन्न विभागों से प्राप्त भविष्य की मांग के अनुसार जीडब्ल्यूएस चैनल की क्षमता 175 क्यूसेक से बढ़ाकर 686.40 क्यूसेक कर दी गई है। इस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सलाहकार/वैपकोस द्वारा तैयार की गई है और 17.11.2023 को विभाग को प्रस्तुत की गई है। यह विभाग के अनुमोदन/मूल्यांकन के अधीन है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 1989.40 करोड़ रूपये है।

बादली (झज्जर) के पास पर गुरूग्राम जल आपूर्ति चैनल (GWS) की बुर्जी संख्या 50.500 किमी से केएमपी एक्सप्रेसवे के साथ मेवात फीडर पाइपलाईन परियोजना

हरियाणा के नूंह और गुरुग्राम जिलों में पड़ने वाले मेवात क्षेत्र में खारा पानी है जो पीने के लिए पूरी तरह से अनुपयुक्त है। इस क्षेत्र की पेयजल समस्या को हल करने के लिए, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नई योजना बनाई है, जिसके लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा पानी उपलब्ध करवाया जाऐगा। इसके अलावा, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम द्वारा भी इस क्षेत्र को विकसित किया जा रहा हैं। इन क्षेत्रों को भी पानी उपलबध कराया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की पानी की मांगों को पूरा करने के लिए मेवात फीडर नहर नामक नई वाहक प्रणाली के रूप में प्रस्तावित किया गया है। वर्ष 2050 तक विभिन्न विभागों से प्राप्त भविष्य की मांग के अनुसार मेवात फीडर की क्षमता 389.58 क्यूसेक अनुमोदित की गई है। इस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सलाहकार/वैपकॉस के द्वारा तैयार की गई है और 01.01.2024 को विभाग को प्रस्तुत की गई है। यह विभाग के अनुमोदन/मूल्यांकन के अधीन है। कार्य की अनुमानित लागत 1161.05 करोड़ रूपये है।

Unstarred Q. No. 86
26/02/2024

INDEX PLAN
MEWAT FEEDER PIPELINE ALONG KMP EXPRESSWAY